>

Title: Need to take effective steps for eradication of Leprosy in Chhattisgarh.

डॉ. चरण दास महन्त (कोरबा): राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा वर्षों से चलाया जा रहा है। बहुत सारे राज्यों से कुष्ठ का उन्मूलन हो चुका है, जो बचे हैं, उसमें देश में कुष्ठ रोगियों के मामले में छत्तीसगढ़ सबसे ऊपर है। कुष्ठ रोगियों की संख्या के मामले में प्रदेश का जांजगीर चांपा जिला न केवल प्रदेश में बल्कि पूरे देश में पहले पांच स्थान में है। कुष्ठ एक ऐसा रोग है, जिससे संक्रमित व्यक्ति द्वारा छींके आने पर हवा के द्वारा दूसरे व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है। यदि किसी व्यक्ति में प्रतिरोधक क्षमता कम हो तो वह कुष्ठ पीड़ित हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग का काम रोग फैलने से रोकना है, जिस तरह से छत्तीसगढ़ में कुष्ठ से संबंधित कार्य हो रहा है, उससे कुष्ठ उन्मूलन के बजाय फैल रहा है। कुष्ठ से बुरी तरह प्रभावित इस राज्य में पूर्ण कालिक जिला कुष्ठ अधिकारी कार्यरत ही नहीं है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि छत्तीसगढ़ में कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम को गंभीरता एवं कठोरता से लागू करें।